Date – 05/08/2015

(5)

# अब वाट्सएप पर समस्याएं बता सकेंगे छात्र

डेली न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ।** इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को अब अपनी समस्या के लिए यूपीटीयू के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वह अपनी समस्याएं या शिकायतें सीधे कुलपति के वाट्सएप नंबर पर भेज सकते हैं। इसके लिए मंगलवार को यूपीटीयू के नए कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने एक वाट्सएप नंबर जारी कर दिया। स्टूडेंट्स वाट्सएप नंबर 8004455599 पर

**● यूपीटीयू के नए कुलपति ने शुरू की व्यवस्था**

सीधें उनसे समस्याएं बता सकते हैं। इस नई व्यवस्था की शुरुआत कुलपति ने मंगलवार को दोपहर दो बजे कार्यभार ग्रहण करने के बाद की। उसके वह पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा, मैं यूपी का रहने वाला हूं और तकनीकी विश्वविद्यालय से जुड़ा रहा हूं। वर्ष 2000 में पहली बार उस समय यहां आया था जब यूपीटीयू की नींव रखी गई थी। कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालयों की पहचान छात्रों से होती है। लेकिन जब छात्र ही अपनी समस्याओं के लिए परेशान होंगे तो कैसे सुधार आएगा। उनकी बहुत सी समस्याएं हैं, इसके लिए मैंने

एक वाट्सएप नंबर जारी किया है।

छात्र इस पर अपनी समस्याएं बता सकेंगे। हम उसका निस्तारण करेंगे। कुलपति ने बताया कि यूपीटीयू अपना एक पोर्टल भी लांच करेगा जिसमें हम स्टूडेंट्स के साथ-साथ आमजन के सुझाव लेंगे। उन्होंने बताया कि हमारा मुख्य फोकस डिजिटल एजूकेशन सिस्टम शुरू करने, छात्रों के कैम्पस प्लेसमेंट, कुछ रिसर्च स्कीम आदि शुरू करने पर होगा। कुलपति के मुताबिक जल्द ही वन व्यू सिस्टम भी शुरू करने की तैयारी है। इसमें स्टूडेंट्स अपना नंबर डालते ही यह जा सकेंगे कि कब फीस जमा करनी है, डिग्री कब मिलेगी।

## लागू होगा रैंकिंग सिस्टम

यूपीटीयू जल्द ही कॉलेजों की रैंकिंग कराएगा। इसके लिए विवि रैंकिंग सिस्टम लागू करेगा। इसमें स्टूडेंट्स से सुझाव मांगे जाएंगे, साथ ही आमजन से भी पूछा जाएगा। उसके बाद रैंकिंग को पोर्टल पर भी दर्शाया जाएगा।

## इंजीनियरिंग में रुझान हुआ कम

*डॉ. पाठक ने कहा कि इस समय तकनीकी विश्वविद्यालय देश के लिए चुनौतीपूर्ण है। ऐसा इसलिए है कि इंजीनियरिंग के प्रति स्टूडेंट्स का रुझान कम हुआ है। खास बात ये भी है कि स्टूडेंट्स में इम्प्लॉयबिलिटी की कमी है। इंडस्ट्री के अनुसार जिस तरह के छात्र-छात्राओं की मांग है, उस गैप को पूरा नहीं कर पा रहे। लेकिन हम कोशिश करेंगे कि इंडस्ट्री के अनुसार कोर्स तैयार करें, जिससे छात्र इंडस्ट्री के आधार पर तैयार किए जा सके। इसके लिए जरूरी है फिनिशिंग स्कूल की स्थापना।*

## इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इंक्यूवेशन की होगी स्थापना

*कुलपति ने कहा कि मिसाइलमैन एवं पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से यूपीटीयू का नाम होना गौरव की बात है। इसलिए यहां पीजी स्तर का इंस्टीट्यूट ऑफ इंक्यूवेशन सेंटर की शुरुआत की जानी चाहिए। इसका प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। फिलहाल इसे नए कैम्पस में खोलने पर विचार चल रहा है।*

## निजी कॉलेजों में लागू होगा फैकेल्टी डेवलपमेंट प्लान

*अभी तक इंजीनियरिंग कॉलेजों में जो फैकेल्टी है, वह आवश्यकता के अनुसार रिजल्ट नहीं दे पा रही है। इसलिए जरूरी है कि प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्लान शुरू कराया जाए। यह प्रोग्राम एक साल का होगा। इसमें बताया जाएगा कि किस माह में क्या करना है।*

## संविदा कर्मी होंगे रेगुलर

पिछले 14 साल से अपने स्थायीकरण की आस में बैठे संविदा कर्मियों को नए कुलपति ने फिर आस जगा दी है। इन कर्मचारियों को रेगुलर किए जाने के लिए प्राविधिक शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव व विभागीय सचिव से बात करेंगे। जिससे इन्हें स्थायी किया जा सके और इनकी जिम्मेदारी तय हो सके।

## अंतिम काउंसिलिंग आज

यूपीटीयू में कई चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी 30 फीसदी से ज्यादा सीटें खाली हैं। खाली सीटों पर गुरुवार से दो दिन तक आखिरी चरण की काउंसिलिंग आयोजित कर दाखिला दिया जाएगा। इसके माध्यम से सरकारी कॉलेजों की भी सीटें भरी जाएंगी। इस अतिरिक्त काउंसिलिंग के लिए अभ्यर्थियों को पांच और छह अगस्त को शैक्षिक प्रपत्रों का सत्यापन कराना होगा। सुबह नौ से शाम पांच बजे तक इन केंद्रों पर सत्यापन होगा। ऐसे छात्र जिन्होंने अब तक की काउंसिलिंग में हिस्सा नहीं लिया है, उन्हें 500 रुपए का ड्राफ्ट जमा कराना अनिवार्य होगा। उसके बाद 8 अगस्त को कॉलेजों में खाली सीटों की सूची जारी की जाएगी। आठ और नौ अगस्त को ऑनलाइन सीट लॉक कराने की प्रक्रिया होगी और 10 अगस्त को सीट अलॉटमेंट का रिजल्ट जारी किया जाएगा।